नामांक Roll No.

No. of Questions — 14

No. of Printed Pages — 11

VU—01—Hindi (C)

वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा, 2013

अनिवार्य हिन्दी

(Compulsory - Hindi)

समय : 3 $\frac{1}{4}$ घण्टे

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें ।

(2) **सभी** प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में निर्धारित शब्द-सीमा में लिखें ।

(4) जिस प्रश्न के **अ, ब, स, द** भाग हैं, उन सभी भागों का हल एक साथ सतत् लिखें ।

खण्ड - क

1. निम्न अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $4 \times 2 = 8$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

यह अवसर है, स्वर्णिम सुयुग है,
खो न इसे नादानी में,
रंगरेलियों में, छेड़छाड़ में,
मस्ती में, मनमानी में ।

तरुण, विश्व की बागडोर ले
तू अपने कठोर कर में,
स्थापित कर रे मानवता
बर्बर नृशंस के उर में ।

दंभी को कर ध्वस्त धरा पर
अस्त-त्रस्त पाखंडों को,
करुणा शान्ति स्नेह सुख भर दे
बाहर में, अपने घर में ।

यौवन की ज्वाला वाले
दे अभयदान पद दलितों को,
तेरे चरण शरण में आहत
जग आश्वासन-श्वास गहे ॥

(अ) ''यह अवसर है, स्वर्णिम सुयुग है'' कवि ने किस अवसर को स्वर्णिम सुयुग कहा है ?

(ब) विश्व की बागडोर किसके हाथों में शोभा पाती है ? क्यों ?

(स) ''बाहर में, अपने घर में'' क्या भरने के लिए कहा गया है ?

(द) ''दे अभयदान पद दलितों को'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

2. निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $4 \times 2 = 8$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

धर्म का वास्तविक गुण तब प्रकट होता है जब हम जीवन का सत्य जानने के लिए और इस दुनिया की दया और क्षमा योग्य वस्तुओं में वृद्धि के लिए निरन्तर खोज करते हैं और सतत अनुसंधान करते हैं । अनुसंधान या खोज की लगन और उन उद्देश्यों का विस्तार जिन्हें हम प्रेम अर्पण करते हैं, — ये वास्तविक रूप में आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष होते हैं । हमें सत्य की खोज तब तक करते रहना चाहिए जब तक हम उसे पा न लें और उससे हमारा साक्षात्कार न हो । जो कुछ भी हो, हर मनुष्य में वही तत्त्व मौजूद है, अतः वह हमारे प्यार और हमारी सद्भावना का अधिकारी है । समाज और सारी सभ्यता केवल इस बात का प्रयास है कि मनुष्य आपस में सद्भाव के साथ रह सकें । हम इस प्रयास को तब तक बनाए रखते हैं । जब तक सारी दुनिया हमारा अपना परिवार न बन जाए ।

(अ) धर्म का वास्तविक गुण कब प्रकट होता है ?

(ब) आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष कौन-से हैं ?

(स) हर मनुष्य में कौन-सा तत्त्व मौजूद है ?

(द) मनुष्यों को आपस में सद्भाव का प्रयास कब तक करते रहना चाहिए ?

खण्ड - ख

3. निम्न विषयों में से किसी **एक** पर लगभग 450 शब्दों में सारगर्भित निबन्ध लिखिए : 10

(अ) अति वृष्टि का वह दिन

(ब) भ्रष्टाचार का महादानव

(स) इंटरनेट – सूचना क्रान्ति

(द) पर्यावरण संरक्षण और युवा ।

4. अपने विद्यालय में आयोजित 'बाल दिवस-समारोह' **अथवा** 'वन-महोत्सव' पर समाचार पत्र को प्रेषित करने के लिए एक रिपोर्ट लिखिए । (उत्तर-सीमा 100 शब्द) 4

5. निम्न में से किसी **एक** विषय पर आलेख लिखिए : (उत्तर-सीमा 100 शब्द) 4

(अ) आतंकवाद

(ब) स्त्री-शिक्षा की महत्ता

(स) परीक्षा के दिन ।

6. निम्न विषयों में से किसी **एक** पर फीचर लिखिए :

(उत्तर-सीमा 100 शब्द) 4

(अ) उपभोक्तावाद और मध्यम वर्ग

(ब) राष्ट्र उत्थान में युवाओं की भूमिका

(स) कटते जंगल-घटते मंगल ।

खण्ड - ग

7. निम्न पठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $4 \times 2 = 8$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है ।)

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं महज एक धागे के सहारे
पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं
अपने रंध्रों के सहारे
अगर वे कभी गिरते हैं छतों के खतरनाक किनारों से
और बच जाते हैं तब तो
और भी निडर होकर सुनहले सूरज के सामने आते हैं ।

(अ) बच्चे जन्म से ही अपने साथ कपास कैसे लाते हैं ? समझाइए ।

(ब) ''दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए'' से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(स) बच्चों को छतों से गिरने से कौन बचाता है ?

(द) ''पतंगों के साथ-साथ वे भी उड़ रहे हैं'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्न पठित काव्यांश को ध्यान-पूर्वक पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $4 \times 2 = 8$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

उहाँ राम लछिमनहि निहारी । बोले बचन मनुज अनुसारी ॥
अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ । राम उठाइ अनुज उर लायऊ ॥
सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ । बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ ॥
मम हित लागि तजेहु पितु माता । सहेहु बिपिन हिम आतप बाता ॥
सो अनुराग कहाँ अब भाई । उठहु न सुनि मम बचन बिकलाई ॥
जौं जनतेऊँ बन बंधु बिछोहू । पितु बचन मनतेउँ नहिं ओहू ॥
सुत बितनारि भवन परिवारा । होंहि जाहिं जग बारहिं बारा ॥
अस बिचारि जियँ जागहु ताता । मिलइ न जगत सहोदर भ्राता ॥

(अ) ''राम उठाइ अनुज उर लायऊ ।'' राम अनुज को हृदय से लगाकर क्यों विलाप कर रहे हैं ?

(ब) लक्ष्मण ने भाई राम के लिए क्या-क्या कष्ट सहे ?

(स) ''पितु बचन मनतेऊँ नहिं ओहू ।'' राम के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(द) संसार में बार-बार क्या-क्या मिलना सुलभ हैं, और क्या नहीं ? लिखिए ।

8. निम्न पठित काव्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 2 = 4$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

मुझसे मिलने को कौन विकल ?

मैं होऊँ किसके हित चंचल ?

यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है !

दिन जल्दी-जल्दी ढलता है ।

(अ) उपर्युक्त पंक्तियों में निहित भाव-सौन्दर्य समझाइए ।

(ब) उपर्युक्त पंक्तियों में निहित शिल्प-सौन्दर्य समझाइए ।

अथवा

निम्न पठित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 2 = 4$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

दीवाली की शाम घर पुते और सजे

चीनी के खिलौने जगमगाते लावे

वो रूपवती मुखड़े पै इक नर्म दमक

बच्चे के घरौंदे में जलाती है दिए ।

(अ) उपर्युक्त पंक्तियों में कवि द्वारा वर्णित भावों को समझाइए ।

(ब) उपर्युक्त पंक्तियों के शिल्प-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

9. पठित कविताओं की विषय-वस्तु से सम्बन्धित दिए गए **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 1\frac{1}{2} = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द है)

(अ) ''कविता एक खेल है बच्चों के बहाने'' 'कविता के बहाने' पाठ में कविता और बच्चे मानव-समाज को क्या संदेश देते हैं ?

(ब) ''तुझे बुलाता कृषक अधीर, ऐ विप्लव के वीर'' कवि निराला ने विप्लव का वीर किसे कहा है ? और क्यों ?

(स) कवि उमाशंकर जोशी ने कागज के पन्ने को 'रस का अक्षयपात्र' क्यों कहा है ?

10. निम्न पठित गद्यांश को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 2 = 6$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक-स्वामी का सम्बन्ध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता, जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया, जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे । भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है, जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना । वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है ।

(अ) भक्तिन और महादेवी वर्मा में सम्बन्ध क्या है ?

(ब) स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर भक्तिन क्या प्रतिक्रिया करती है ?

(स) भक्तिन को नौकर कहना असंगत क्यों है ?

अथवा

निम्न पठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 2 = 6$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 40 शब्द है)

'शेर के बच्चे' का असल नाम था चाँद सिंह । वह अपने गुरु पहलवान बादल सिंह के साथ, पंजाब से पहले-पहल श्यामनगर मेले में आया था । सुंदर जवान, अंग प्रत्यंग से सुन्दरता टपक पड़ती थी । तीन दिनों में ही पंजाबी और पठान पहलवानों के गिरोह के अपनी जोड़ी और उम्र के सभी पट्ठों को पछाड़कर उसने 'शेर के बच्चे' की टायटिल प्राप्त कर ली थी । इसलिए वह दंगल के मैदान में लंगोट लगाकर एक अजीब किलकारी भरकर छोटी दुलकी लगाया करता था । देशी नौजवान पहलवान, उससे लड़ने की कल्पना से भी घबराते थे । अपनी टायटिल को सत्य प्रमाणित करने के लिए ही चाँद सिंह बीच-बीच में दहाड़ता फिरता था ।

(अ) 'शेर के बच्चे' का असल नाम बताते हुए उसके गुरु का नाम बताइए ।

(ब) उसने 'शेर के बच्चे' की 'टायटिल' कैसे प्राप्त की ?

(स) चाँद सिंह अपनी 'टायटिल' को सत्य प्रमाणित कैसे करता था ?

11. पठित गद्य पाठों की विषयवस्तु पर आधारित निम्न **चार** प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिए : $3 \times 3 = 9$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है)

(अ) ''जो लोग बाज़ार से लाभ नहीं उठा सकते और न ही बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं, वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन ही बढ़ाते हैं ।'' कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ब) ''चार्ली'' की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ? संक्षेप में लिखिए ।

(स) शिरीष को एक अद्‌भुत अवधूत क्यों कहा है ? पाठ 'शिरीष के फूल' के आधार पर समझाइए ।

(द) मनुष्य की क्षमता किन बातों पर निर्भर करती है ? बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 'मेरी कल्पना का आदर्श-समाज' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड - घ

12. पाठों की विषय वस्तु पर आधारित निम्न **तीन** प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए :

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है) $2 \times 3 = 6$

(अ) ''यशोधर बाबू की पत्नी मूल संस्कारों से किसी भी तरह आधुनिक नहीं है, फिर भी बच्चों की तरफदारी ने उन्हें माँड बना डाला है ।'' कथन के समर्थन में अपने विचार लिखिए ।

(ब) ''उलटा अब तो ऐसा लगने लगा कि जितना अकेला रहूँ उतना अच्छा ।'' कथन के अनुसार आनन्द यादव को अकेला रहना कब से अच्छा लगने लगा ? स्पष्ट कीजिए ।

(स) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिन्धु घाटी सभ्यता में खेती का वर्णन कीजिए ।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए : $2 \times 1\frac{1}{2} = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 20 से 30 शब्द है)

(अ) आनन्द यादव का पाठशाला में विश्वास क्यों बढ़ने लगा ?

(ब) मुअनजो-दड़ो के प्रसिद्ध जल कुंड की विशेषताएँ लिखिए ।

(स) पुरुषों ने औरतों पर किस आधार पर शासन किया है ? 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

14. विषयवस्तु पर आधारित दिए गए **दो** प्रश्नों में से किसी **एक** निबन्धात्मक प्रश्न का उत्तर दीजिए : $1 \times 3 = 3$

(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा 40 से 60 शब्द है)

(अ) ''आधुनिकता की ओर बढ़ता हमारा समाज एक ओर कई नयी उपलब्धियों को समेटे हुए है तो दूसरी ओर मनुष्य को मनुष्य बनाए रखने वाले मूल्य कहीं घिसते चले गए हैं ।'' 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ब) ''युद्ध के चलते इतिहास बनते हैं, बदलते हैं और बिगड़ते भी हैं । युद्ध का दंश कई पीढ़ियों को भी झेलना पड़ता है ।'' 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर समझाइए ।